National College of Education ★ BHOPAL

पंचम – अध्याय

सारांश निष्कर्ष एवं

भविष्य में अध्ययन हेतु सुझाव

पंचम – अध्याय

सारांश निष्कर्ष एवं भविष्य में अध्ययन हेतु सुझाव –

5.01 : सारांश –

भूमिका :

राष्ट्रीय विकास की आवश्यकताओं के अनुरूप वर्तमान शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन लाना सुगम नहीं है । देश के स्कूलों में बच्चों की बढ़ती संख्या के दबाव को देखते हुए अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराना उत्तरोत्तर कठिन होगा, और यह कार्य हठवादिता और रूढ़िग्रस्तता के कारण और भी कठिन हो गया है । अतः यह अनिवार्य हो गया है कि शिक्षण और शिक्षा की नई विधियों को समझा जाए । हमारे समाज में "गैर – औपचारिक शिक्षा" ज्ञान का बहुत बड़ा स्त्रोत है और इसका उपयोग भी होना चाहिए । शिक्षण साधनों और सामग्री के अनुरूप अनिवार्य सुविधाओं की व्यवस्था होनी चाहिए । विद्यार्थियों के सन्तोषजनक विकास के लिए विद्यालय में मार्गदर्शन सुविधाओं का उपलब्ध होना बहुत आवश्यक है, एवं न्यूनतम स्तर पर भौतिक और शैक्षिक सुविधाओं का होना भी आवश्यक है ।

सम्पूर्ण शोध प्रबंध को पाँच अध्याय में विभक्त किया गया है । प्रथम अध्याय में पृष्ठभूमि, शोध की आवश्यकता एवं महत्व, शोध शीर्षक, शोध उद्देश्य, परिकल्पना एवं परिसीमाओं को दर्शाया गया है ।

शोध – कथन :

"हाई स्कूल स्तर पर भौतिक सुविधाएँ एवं गणित, विज्ञान विषयों में शैक्षिक उपलब्धि"

शोध के उद्देश्य :

1– शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

2– शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में विज्ञान विषय की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

3– शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

4– विद्यालयों में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर भौतिक सुविधाओं के प्रभाव का अध्ययन करना ।

5– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को उपलब्ध भौतिक सुविधाओं का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना ।

परिकल्पनाएँ :

1– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं के मध्य कोई अन्तर नहीं है ।

2– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर सार्थक नहीं है ।

3– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में विज्ञान विषय की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर सार्थक नहीं है ।

4– विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सह–सम्बन्ध नहीं है ।

5– शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सह–सम्बन्ध नहीं है ।

परिसीमाऐं :

1– प्रस्तुत शोध कार्य ग्रामीण क्षेत्र में दो शासकीय एवं दो अशासकीय हायर सैकण्डरी स्कूल तक सीमित है ।

2– शोधकर्ता ने विद्यालयों में विद्यार्थियों की गणित तथा विज्ञान विषयों की उपलब्धि को शामिल किया गया है ।

3– यह दोनों विद्यालय बैतूल जिले के मुलताई तहसील से सम्बन्धित है ।

द्वितीय अध्याय में शोध से संबंधित पूर्व में हुए शोध कार्यों की जानकारी दी गई ।

तृतीय अध्याय में शोध प्राविधि न्यादर्श का चयन, संकलन, शोध विचार की उत्पत्ति, चर उपकरण, समंक संकलन एवं प्रयुक्त सांख्यिकी को दर्शाया गया है ।

न्यादर्श :

इस लघु शोध में न्यादर्श का चयन शोधकर्ता ने स्वयं सुविधा के अनुसार किया है । जिसमें ग्रामीण क्षेत्र से दो शासकीय एवं दो अशासकीय विद्यालयों को चुना गया ।

प्रयुक्त उपकरण :

विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं के मूल्यांकन हेतु "माध्यमिक शिक्षा मण्डल का विद्यालय मूल्यांकन प्रपत्र" का उपयोग किया गया था । विज्ञान, गणित शिक्षकों एवं प्राचार्यों के लिए साक्षात्कार प्रपत्र एवं कक्षा दसवीं की परीक्षा परिणाम सीट का उपयोग किया गया था ।

प्रयुक्त साँख्यिकीय :

प्रदत्तों के आंकलन एवं विश्लेषण करने हेतु माध्य, प्रमाणिक विचलन, "टी" परीक्षण एवं सह–सम्बन्ध का उपयोग किया गया ।

लघु शोध के चतुर्थ अध्याय में आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या की गई ।

पंचम अध्याय में सारांश, शोध निष्कर्ष एवं भविष्य में अध्ययन हेतु सुझाव दिये गये हैं ।

5.02 : <u>निष्कर्ष</u> –

वर्तमान लघु शोध प्रबंध के अंतर्गत जिन आयामों को सम्मिलित किया गया है उन्हें मूल्यांकित करने का प्रयत्न किया गया है । इसमें शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में विद्यमान भौतिक सुविधाओं का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन एवं गणित, विज्ञान विषयों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया गया है । समस्या का निष्कर्ष देने से पूर्व यह स्पष्ट करना उचित होगा कि निष्कर्ष अंतिम नहीं है क्योंकि यह एक आंशिक शोध है । जिसका अध्ययन क्षेत्र सीमित था ।

वर्तमान अध्ययन में शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया न्यादर्श के प्रदत्तों के संकलन एवं विश्लेषित करने के पश्चात निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुये :

1– शासकीय विद्यालयों में भवन संबंधी, अध्यापक संबंधी, एवं शाला प्रबंध संबंधी सुविधाएँ अशासकीय विद्यालयों की अपेक्षा अधिक है ।

2– शासकीय विद्यालयों में अध्यापन कार्य संबंधी सुविधाएँ अशासकीय विद्यालयों की अपेक्षा कुछ अधिक है ।

3– फर्नीचर साज – सज्जा संबंधी सुविधाएँ अशासकीय विद्यालयों की अपेक्षा शासकीय विद्यालयों में अधिक है ।

4– शासकीय विद्यालयों में वित्तीय स्थिति अशासकीय विद्यालयों की वित्तीय स्थिति के लगभग समान है ।

5– विभिन्न सुविधाओं का विश्लेषण करने के पश्चात् देखा गया कि शासकीय विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाएँ अशासकीय विद्यालयों की अपेक्षा अधिक है ।

6– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों में गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर सार्थक पाया गया जो अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के पक्ष में हैं ।

7– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों में विज्ञान विषय की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर सार्थक पाया गया यह भी परिणाम अशासकीय विद्यालय के छात्रों के पक्ष में गया ।

8– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में कक्षा दसवीं में छात्रों की गणित तथा विज्ञान विषयों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर सार्थक पाया गया । अशासकीय विद्यालयों के छात्रों की उपलब्धि उत्तम पाई गई ।

9– गणित तथा विज्ञान विषयों से संबंधित शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर सार्थक पाया गया । अशासकीय विद्यालय की उपलब्धि उत्तम पाई गई ।

10– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव नहीं पड़ता ।

11– विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य .99 सहसंबंध पाया गया जो अति उच्च सहसंबंध को प्रदर्शित करता है ।

12– शासकीय विद्यालयों में प्रशिक्षित, शिक्षण में अनुभवी तथा अधिक योग्यताओं वाले शिक्षक, अशासकीय विद्यालयों की अपेक्षा अधिक हैं ।

13– अशासकीय विद्यालयों में अभिभावकों का योगदान (सहयोग) शासकीय विद्यालयों की तुलना में अधिक पाया गया ।

14– छात्र–छात्राओं व अभिभावकों का शोषण अशासकीय विद्यालयों में शासकीय विद्यालयों की अपेक्षा अधिक होता है । (फीस, डोनेशन आदि–आदि).

5.03 : <u>भविष्य में अध्ययन हेतु समस्यायें</u> –

1– शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में हायर सैकण्डरी स्तर पर भौतिक सुविधाएँ एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन ।

2– ग्रामीण तथा शहरी विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाओं का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव ।

3– विद्यालयों में विज्ञान, गणित विषयों के अतिरिक्त अन्य विषयों की शैक्षिक उपलब्धि पर भौतिक सुविधाओं का अध्ययन ।

4– शैक्षिक उपलब्धि पर पालकों के व्यवसाय, पालकों की आय तथा घर के वातावरण के प्रभाव का अध्ययन ।

5– अल्पसंख्यक एवं बहुसंख्यक वर्ग के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी बुद्धि–लब्धि के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन ।

6– विद्यार्थियों की अभि वृत्ति तथा शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक वातावरण का प्रभाव ।

* * * * × * * * *